Answer- NO - 4

Superheater ⇒ अतितापक का कार्य बायलर में उपजी भाप को शुष्क करना तथा संतृप्त तापमान से पर्याप्त उच्च स्तर तक भाप के तापमान में वृद्धि करना है। बायलर में ईंधन दहन के फलस्वरूप उपजी फ्लू गैसों की ऊष्मा का उपयोग करके भाप को शुष्क तथा अतितप्त बनाया जाता है। अतितापक में सामान्यतः नलियों के समान्तर समूह होते है। जिनके सिरे हैडर्स से जुड़े रहते है। हैडर्स के द्वारा बायलर की भाप अतितापक नलियों में प्रवेश करती है। और नलियों के द्वारा फ्लू गैसों की ~~ऊष्मा~~ ऊष्मा ग्रहण करके अतितप्त अवस्था में बाहर निकलती है।